

1507



२७ न भाग (६) अ य न म ४॥ क सा वि थ या वि वि क सा वि यं
भा वा या ० हृ सि पा व के ख हि नि स्ना न व सु हि ह ॥ नाय क
आ न पू जा जो प य क ॥ वा य ॥ अ म क (अ) गु रु य मा न स्य प्र
दे अ म ख हा व न्ध न क हृ अ र्ध न नि मि त्त थ पू षा हा रु न स
म र्प या मि ॥ २७२ अ अ म र्क जि व ४ पु अ द य न म स र्व हृ अ कि
अ र सा न न्द ४ सू त ना य क सु रु अ वा न सै पू र्क का म पु र्द ॥
वा ग (अ) व न द नु वा ग व प न वा मा नि य के अ ४ या धी भा

क वि ना स क क रु य रु ना म र्क अ य ४ गु हि मा सि धि त सु क्रि
या र्क रु व डि त सु ध ना ग म पू हि त सु अ त्री त पु अ नि त सु अ ह
न व । स र्व वि धि पु अ म न स र्व अ नि क र्क स र्क । आ य पू र्क व का
म व ह डि स न्द ति व र्द न ॥ य थ वा न रु हा रा ह म क व र्क रु व रु वा
न न । न गु द व वि धा ग ह म अ नि र्क व रु वा र न ॥ पू षा हा रु न स
प र्प या मि ॥ अ य मा न न पू जा आ प य क । पू जा आ क र्क हृ व हृ य
॥ अ य र्ध द य को मि क (अ) ग य व क्क द व ना य ति कृ प क्क रु स
क म हृ हृ पू षा हा रु न स म र्प मि ॥ क हृ अ स ना ख न हा य ॥ =

पुत्रा ॥ शोभय पुत्रा ॥ केन नृपसकं जगत्तन ॥ १२५ ॥ पूर्व कुरुभय
दधिपावकायस्वस्त्युनक्षेत्रपात्राय गद्य (मग्य) स्वकोमोरीद
व्यायै ०० दमासर्न नमपुष्पं नमः ॥ दानावर्न ॥ १३ ॥ तत्वाजा मित्र
हम वरुमानसका ॥ १४ ॥ जयमानो हविर्ह ॥ १५ ॥ श्रेष्ठ दमानो व
रुह ॥ १६ ॥ धनुस ॥ १७ ॥ स मानशाय ॥ १८ ॥ पुभाषीता ॥ १९ ॥ वस्यत्वाय
वि ॥ २० ॥ प्रसवे जिना वा कृत्यापुष्पी हत्ता ह्या ॥ २१ ॥ गद्यनात्वा गद्य
पति ॥ २२ ॥ वामहपिया नात्वा प्रियपति ॥ २३ ॥ वामह निधी निधी
पति ॥ २४ ॥ वामह वक्षामम श्रुत मजा निगर्ह धमानत्व मजाति
गर्ह ध ॥ २५ ॥ वरुह स ॥ २६ ॥ श्रुति श्रेष्ठ दया ॥ २७ ॥ श्रुति हाड्य मदि कति कुरु

मङ्गलम् ॥ यदीदयं वरुह स ॥ २८ ॥ पुत्रा गतदस्या त्रुड विर्हा (ध
हि विर्हा ॥ २९ ॥ वत्ता विर्हा जीगुया श्रुत्य पादा वक्षीर्ष सफ रुक्मा सा श्रुत्य
॥ ३० ॥ विर्हा वक्षी श्रुति महां देवा मर्त्या श्रुति व स ॥ ३१ ॥ वक्षी
वी नन्व स्य विर्हा वत्ता ददन् श्रुत्य ॥ ३२ ॥ उरुव वक्षी धनुष पप लमा
॥ ३३ ॥ हि न वक्षी ॥ ३४ ॥ स मवर्ह ता ॥ ३५ ॥ हत स्य यात ॥ ३६ ॥ पति भुक्त श्रुत्य
॥ ३७ ॥ स दधुध न वक्षी श्रुति मर्त्या श्रुति व स ॥ ३८ ॥ विर्हा विर्हा
॥ ३९ ॥ सफ मय ॥ ४० ॥ पुति हिता ॥ ४१ ॥ वक्षी सफ न कनि स द म प्रमाद म
॥ ४२ ॥ सफ मय ॥ ४३ ॥ स पदा हो कमी य ॥ ४४ ॥ श्रुत्य पुत्री सफ स द
वक्षी ॥ ४५ ॥ वक्षी यज्ञ न पुथ मपु न सफ द सी मग ॥ ४६ ॥ सफ वक्षी

[illegible]

विष्णुताडयि॥३॥ अतीर्थ निप्रवर्तनि स काह स निष जिहा॥
 था ०७॥ हसु या जनेवध न्या निता न्य सि॥५००॥ म भाज (जै यमू न स
 सती सद् दु स्र म सयता पू नू द्वा ४॥ अमि श्या म नू द्वा (ध वि त स
 या जि जि शै ७० नू द्वा जि षा म यै ॥५॥ सि ता सि त स वि त य ग स र्क
 मे ता ता पू ता या दि वि मू त्य त नि ॥ ५००॥ त न्व त्वि स र्क नी धा न र्क
 शै नी ता अ म्भ त र्क र्क न्क ॥५००॥ ड प द्वा र जि नी ना ५ स र्क मे व न दी
 ना म ॥ वि या वि पु अ ज्ञा य ता ॥५००॥ न म ४४ मि वा य व ॥ द्या म्भ हृषी
 र्क त्रि र्क मा दि ५ सी य वि या र्क र्क ॥ अ य र्क ति ता स्वा वि ति र्क
 या न ४५ दि ना य म ह त र्क र्क ॥ अ वा ह ना दि ॥ अ दि हा दि न व

ॐ ह्रीं स्वा वं द मा स न नमः पू षा नमः ॥ आ दि णा य नमः ॥
मा य नमः ॥ ॐ नारा य नमः ॥ वृ ध य नमः ॥ वृ ह स्या त य नमः ॥
क्रा य नमः ॥ ॐ नारा य नमः ॥ रा ह वे नमः ॥ के त वे नमः ॥ ॐ
न नमः ॥ १२ आ क र्ण न न सा व र्ण म न ॥ १०० म न दे वा ॥ ॐ
प त्न १ सूरु ध म ह न के तु य म ह न ॥ ॐ द्या य म ह न यान
रा ॐ यो न से दि या य ॥ ॐ म म म म पृ म म म म पृ म
ॐ वि षा नु ष वा मी ना जा सा भा स्मा के वा ष्मि ह न ॥ १०० रा जा

॥ १२ ॐ मूर्जा दि व ४ क कृ त्ता ति ३ व धि व्वा ३ ॐ य मा ॥ ॐ पा १००
ता १ सि डि न्व ति ॥ ३ उ द्ध ध स्या १०० प्र ति या १०० हि त्व वि स्ता प र्ण स
१ स ३ थ म य र्ण ॥ ॐ सि त्म ध र्ण ३ ॐ दू ल य सि न्वि १०० द वा ज य
मा न १०० सी द ति ॥ १ वृ ह स्या त ॐ ति ॐ द ॥ ॐ नारा य वि १००
सं वृ ष्म १०० य पि व र्ण १०० प य ४ सा म पु डा प ति ४ ॥ अ न स ए
मि दि य वि यान १०० मि न स १०० स दि य मि द य या म न
म १०० ॥ १०० मी द की रा रि रु य ३ ॐ यो रु व नु पी त य ॥ १०० या व हि
१०० व नु ॥ ३ क या न वि १०० ॐ रु व द ती स दा व १०० स स्वा क या स रि

॥८३५॥

U.S. AIR FORCE
7-057
RND 444 MC 15

५० नम

पद्म ५

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ क सा वि य वा सु ड
वा सा ये सा रु डू ने

योऽस्मिन् वदन् यक्षपवीत
 पृथ्वीपदीर्घं नमः ॥ अ
 दि ॥ यन्मम नि क त्वानविया ॥
 म नि रु व नुं पुं पुं पुं व नुं
 ॥ स्वस्ति नो ममिना ॥ स्वस्ति न
 ०० ॥ पृथ्वीपदीर्घं ॥ वि
 ॥ नना ॥ ॥ अदि देवता ॥ ॥
 ॥ म नि ॥ त्वान क ह्यपयादे
 व भगव ॥ नायक न हो साहा
 व स्वस्ति कतय ॥ मित्रपनम
 हु ॥ गवा यूव ॥ नमस्तुता ॥
 ०० ॥ एका पुका म ता व दूय
 न को रु द स हुग हु न स
 वा मि द म रु क स हुग म कि
 ना मि य म नि को य म मा
 यो नि व र्वा न द म ह न
 स हुग म कि ना मि य म
 स मा ना नि व र्वा न द म ह न
 व भु हुग म कि ना मि य म
 व भु य म स व ॥ विव र्वा
 न द म ह न ॥

व सुति सवति ॥ अ
 द वि व का पुथ मा ग दि ॥
 म गा ग य ॥ ॥ अ सि ॥ पिरवा
 ही पू स त य क हुं क या अ
 र्थ पा ग या हुं र व न ॥ क ॥
 स स्वा न ग न क ॥ म नि क
 पु कि क त्वान वि य ॥ ॥ ॥
 नि ॥ म गा र्वा पू डा ॥ अदि
 म र्ध ॥ गा हु वा का त प डा ॥
 गा न मि नुं ॥ म गा र्वा मा वा
 सा ॥ न न र्वा य ॥ स्वस्ति नो
 म मि गा ग दि ॥ ॥ य पा न
 व र्क ॥ व द ॥ य म द य क ह
 स्वस्ति नो स ॥ डा व ॥ वि
 डा व हु न र्वा म न व र्वा ॥
 अदि सि मु द स या क त्वा वि
 य ॥ स ॥ य ॥ या ॥ ॥
 ॥ अ न मि ना सि ॥ मा य
 सु ॥ म मा र्वा मि ॥ पु ति वा ॥

[illegible][illegible]

हृया कगा ॥ १ कंठि कृष्ण न कंठि
धरा मका ॥ अथ सप्तमः
षा हि न जायत ॥ आ अथ अरुद
दा त सठ सा मरुष्ठी नन्किपु
कयठान्म देवा ना विअसि
सो भी वभो देव ॥ आवा सना
दि ॥ अरुन्दा दिशो कपा होय
ॐ दमा सै न नमः पूष
नमः ॥ १० न्दा यनमः
अस्मै यनमः १ य माथ
नमः १ जे त्रि एा यनमः
व न्दाम यनमः वा यवन
सठ कथे ना यनमः ००
०० ना यनमः १ यन्मः
नमः १ वि कथे नमः १ गुण
नमिन्म वि पा नमिन्म १
हृदये सुरुव १ सूत्रमि

सुम। क्रया मिश्रं पत्रका
मिदु १ स्व सिन्धु मय वाध
सिन्धु १ श्रि म्मुर्दो दिवमा
यम न द ले एतनु नमः १
न गिन्नु ननी प्रथ मा १
ति कता १ गि अर्धः १ २
नसनां मगुण सूना द
स्व व सको जिनसना
यन्के दवी नृति नावर्ष
मवाभ गी वासन पित्रि
ए म १ गन्के सिन्धु मा
युषा नमः १ अद हरे न
पिन्नु मध प्रसुत न मा
नो ऐ धे दय काना ॥ १०० म
मेव नृ ए १ १ १ १ १ १ १
व म दया १ १ १ १ १ १ १